

प्रतिक्रिया का ABO एंटीबॉडी होते हैं। रक्त वर्ग O सर्वदाता कहलाता है जबकि रक्त वर्ग AB सर्वग्राहक कहलाता है।

मानव में रक्त समूह (BLOOD GROUP IN HUMAN)

क्र.सं.	रक्त समूह का प्रकार	उपस्थित एंटीजन	उपस्थित एंटीबॉडी	ले सकता है	दे सकता है	भारतीयों में प्रतिशतता
1.	Blood Group-A	Anti-A	Anti-b	A व O से	A व AB को	34.5%
2.	Blood Group-B	Anti-B	Anti-a	B व O से	B व AB को	7.5%
3.	Blood Group-AB	Anti-A and 'B' दोनों	Nil	A, B, AB व O से (सभी से)	केवल 'AB' को	23.5%
4.	Blood Group-O	Nil	Anti-a and b दोनों	केवल 'O' से	A, B, AB व O (सभी को)	34.5%

रक्त परिसंचरण क्रिया को प्रभावित करने वाले तत्व—शुद्ध रक्त हृदय द्वारा शरीर के समस्त भागों में भेजा जाता है। अतः रक्त परिसंचरण क्रिया में हृदय को ही कार्य करना पड़ता है। कार्य करने के लिए हृदय को दो यैष्टिक तत्व तथा ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। अतः रक्त का भण्डारघर होने पर भी हृदय को रक्त आपूर्ति हृदय धमनियों (Coronary arteries) द्वारा की जाती है और हृदय के उत्पन्न विकार हृदय शिराओं (Coronary veins) द्वारा वापस हृदय में लाये जाते हैं।

हृदय की क्रियाएँ तथा हृदय से रक्त आपूर्ति को कुछ बातें प्रभावित करती हैं—

1. **मानसिक तनाव (Mental Tension)**—तीव्र संवेगावस्था तथा अत्यधिक मानसिक तनाव की स्थिति में रक्त परिसंचरण की सामान्य गति में अन्तर आ जाता है।
2. **शरीर का तापमान (Body Temperature)**—शरीर का तापक्रम सामान्य होने पर रक्त-परिसंचरण की गति सामान्य रहती है लेकिन तापमान में वृद्धि होने पर हृदय धमनियों में रक्त प्रवाह तेज हो जाता है।
3. **व्यायाम तथा शारीरिक श्रम (Exercise & Physical Work)**—अधिक परिश्रम तथा व्यायाम की अवस्था में हृदय धमनियों में रक्त का दबाव बढ़ जाता है विश्राम की अवस्था में कम होता है।
4. **पीयूष ग्रन्थि (Pituitary Gland)**—पीयूष ग्रन्थि के पिछले भाग का दबाव यदि हृदय धमनियों पर पड़ता है तो हृदय धमनियों में रक्त प्रवाह की गति धीमी हो जाती है।
5. **रक्ताल्पता (Anaemia)**—शरीर में रक्त की कमी हो जाने पर हृदय धमनियों में रक्त प्रवाह की गति बढ़ जाती है।
6. **हृदय की कार्यक्षमता (Working Ability of Heart)**—हृदय की कार्यक्षमता हृदय धमनियों में रक्त प्रवाह की गति को प्रभावित करती है। स्वस्थ हृदय सामान्य गति से रक्त धमनियों में रक्त प्रवाहित करता है

किन्तु हृदय की मौसपेशियों कमजोर होने पर हृदय भली प्रकार से रक्त को पम्प नहीं कर पाता है जिससे हृदय धमनियों में रक्त प्रवाह की गति धीमी हो जाती है।

हृदय को स्वस्थ रखने के उपाय—हृदय शरीर का एक अंग है इसलिए इसकी वृद्धि तथा दृढ़ता शरीर के साथ-साथ ही होती है किन्तु फिर भी व्यक्तिगत प्रयासों द्वारा हृदय को स्वस्थ रखा जा सकता है तथा हृदय मौसपेशियों को मजबूत बनाया जा सकता है। व्यायाम इसका सरल व अच्छा उपाय है। व्यायाम से हृदय मौसपेशियों मजबूत होती हैं किन्तु हृदय रोगियों को व्यायाम हानि पहुँचाता है।